सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

मित्रता की गहराई परिचय की लम्बाई पर निर्भर नहीं करती।
–रविन्द्रनाथ टैगोर

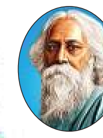

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 104 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 20 मई, 2026

अफगान के खिलाफ भारत की टेस्ट व वनडे... 7 | योगी सरकार के ऐलान पर मचेगा... 3 | महंगाई व बेरोजगारी जैसे मुद्दे... 2

इवेंट पॉलिटिक्स से समस्याओं पर पर्दा

मोदी-मेलोनी की तस्वीरों से इंटरनेट पर उड़ रहा गर्दा

» पीएम की विदेश यात्रा पर विपक्ष का तंज

» बड़ा सवाल क्या भारत की जनता भी इसी चमक में खुद को देख पा रही है?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रोम की चमकती रोशनी में कैमरे फ्लैश कर रहे हैं मुस्कुराहटें और हैंडशेक करती सोशल मीडिया पर ट्रेंड हो रही तस्वीरों के बीच सवाल उठ रहे हैं कि क्या भारत की जनता भी इसी चमक में खुद को देख पा रही है? एक तरफ इटली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भव्य स्वागत हो रहा है दूसरी तरफ भारत के भीतर महंगाई से मध्यम वर्ग टूट रहा है। बेरोजगारी से जूझता युवा है और विपक्ष का आरोप है कि देश की असली समस्याओं पर इवेंट पॉलिटिक्स का परदा डाला जा रहा है।

रोम में तस्वीरें वायरल हैं लेकिन भारत में रसोई का बजट भी वायरल दर्द बन चुका है। इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी के साथ मोदी की कैमिस्ट्री पर इंटरनेट मजे ले रहा है। मीम्स बन रहे हैं, वीडियो चल रहे हैं, लेकिन क्या यह वही दौर नहीं है जब देश के भीतर किसान एमएसपी की चिंता में है, छोटे कारोबारी टैक्स और बाजार की मार से दबे हैं और आम आदमी पेट्रोल, गैस और खाने के दामों से परेशान है? सवाल इसलिए भी बड़ा है क्योंकि यह सिर्फ एक विदेशी दौरा नहीं बल्कि उस नए भारत की तस्वीर है जिसे सरकार दुनिया के सामने पेश करना चाहती है।

पीएम जॉर्जिया मेलोनी की ओर से आयोजित डिनर में हिस्सा लिया

प्रधानमंत्री मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की ओर से आयोजित डिनर में भी हिस्सा लिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें भी साझा कीं और कहा कि वह बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं जिसमें दोनों नेता भारत-इटली संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। इससे पहले दिन में पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि रोम पहुंचने के बाद मुझे प्रधानमंत्री मेलोनी से डिनर पर मिलने का अवसर मिला और उसके बाद ऐतिहासिक कोलोसियम का दौरा किया। हमने कई विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। आज होने वाली बातचीत को लेकर उत्सुक हूं जिसमें हम भारत-इटली दोस्ती को और मजबूत करने पर आगे चर्चा करेंगे। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी पीएम मोदी का इटली पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने मंगलवार रात रोम पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। भारतीय प्रधानमंत्री के लिए व्यक्तिगत संदेश में मेलोनी ने एव?स पर लिखा रोम में आपका स्वागत है मेरे दोस्त जिससे दोनों नेताओं के बीच अच्छे संबंधों का संकेत मिला। पीएम मोदी इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और राष्ट्रपति सर्जियो मत्तारेला से भी मुलाकात करेंगे।

रोम में पीएम मोदी का शानदार स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली के रोम में भारतीय समुदाय की ओर से दिए गए गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार जताया है। साथ ही स्वागत समारोह में शानदार प्रस्तुति के लिए इतालवी कलाकारों को बधाई भी दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

एक्स पर लिखा है कि मैं इटली में भारतीय समुदाय की ओर से रोम में पिछली शाम मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए बहुत आभारी हूं। भारत के प्रति उनका गहरा लगाव और भारत-इटली संबंधों को मजबूत करने की उनकी प्रतिबद्धता बहुत सराहनीय है। भारतीय प्रवासी दुनियाभर में लगातार हमारे देश का नाम रोशन कर रहे हैं। पीएम ने पोस्ट में लिखा है कि इटली में भारतीय संगीत काफी लोकप्रिय हो रहा है। रोम में हुए सामुदायिक स्वागत समारोह के दौरान पांच इतालवी कलाकारों ने हंसध्वनि की प्रस्तुति दी। वैलेरियो ब्रूनी (संतूर), लियो वर्तुनी (सितार), सिमोन मैटिएलो (बांसुरी), फ्रांसेस्को घेराडी (तबला) और निकोलो मेलोची (बांसुरी) को ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएं।

लिखा जा रहा है इतिहास

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी यात्रा की जानकारी भी साझा की और बताया कि वह इटली के साथ संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से आधिकारिक यात्रा पर रोम पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री का मंगलवार रात इटली में आगमन हुआ जहां उनका स्वागत उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर लिखा भारत और इटली की रणनीतिक साझेदारी में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आधिकारिक यात्रा पर रोम पहुंचे हैं। इटली के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने उनका एयरपोर्ट पर गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने आगे कहा भारत और इटली के बीच लंबे समय से बहुआयामी संबंध रहे हैं। यह यात्रा इन संबंधों को और नई गति देगी। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देशों के बीच संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। दोनों देश 25-29 के संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना को लागू कर रहे हैं। इस रोडमैप में व्यापार, निवेश, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच आपसी संबंध जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

ग्लोबल स्टारडम से क्या घरेलू संकट हल हो जाएंगे?

सोशल मीडिया कह रहा है कि मोदी ग्लोबल स्टार हैं लेकिन विपक्ष सवाल पूछ रहा है कि क्या ग्लोबल स्टारडम से घरेलू संकट हल हो जाएंगे? क्या विदेशों में मिल रही लोकप्रियता देश के भीतर उठ रहे कठिन सवालों का जवाब है? और यही इस पूरी कहानी का सबसे तीखा पहलू है। रोम में कैमरे मुस्कान पकड़ रहे हैं लेकिन भारत के भीतर राजनीति अब उन सवालों को पकड़ रही है जिन्हें तस्वीरें छिपा नहीं सकतीं। क्योंकि क्योंकि लोकतंत्र में सिर्फ स्वागत नहीं देखा जाता उस स्वागत के पीछे छूटती हुई जनता की आवाज भी सुनी जाती है।

दुनिया फिल्मी फ्रेम से कहीं ज्यादा खतरनाक मोड़ पर खड़ी है

दुनिया की राजनीति इस समय किसी फिल्मी फ्रेम से कहीं ज्यादा खतरनाक मोड़ पर खड़ी है। एक तरफ अमेरिका का दबाव दूसरी तरफ रूस से रिश्तों की मजबूरी और सीमा पर लगातार चुनौती बनता चीन। ईरान और पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा और बढ़ रहा है और भारत इन सबके बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में विपक्ष पूछ रहा है कि क्या भारत की विदेश नीति अब रणनीति से ज्यादा इमेज मैनेजमेंट बनती जा रही है? क्या कैमरे के सामने की दोस्ती बंद कमरों में होने वाली कठिन बातचीत की सच्चाई छिपा सकती है? क्योंकि सच यह भी है कि चीन लगातार हिंद महासागर से लेकर एशिया तक अपना दबदबा बढ़ा रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिला दिया है। एक्सपर्ट के मुताबिक अमेरिका भारत को अपने खेमे में और मजबूती से देखना चाहता है। और इसी बीच भारत को अपने घरेलू संकट भी संभालने हैं। यानी बाहर तालियां हैं और अंदर तनाव है।

महंगाई व बेरोजगारी जैसे मुद्दे विपक्ष का मुख्य चेहरा होंगे : अखिलेश यादव

» विस-27 चुनाव के लिए सपा की तैयारी शुरू
» सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन जारी रहेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। उन्होने कहा कि चुनावों में सफलता के लिए वह जनता से जुड़े मुद्दों को उठाएंगे। साथ ही सपा प्रमुख ने सपा-कांग्रेस गठबंधन के जारी रहने की घोषणा की है, जिसमें सीटों के बजाय जीत को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य की रणनीति सीट-बंटवारे पर नहीं, बल्कि चुनावी सफलता सुनिश्चित करने पर केंद्रित होगी और महंगाई व बेरोजगारी जैसे मुद्दे विपक्ष का मुख्य चेहरा होंगे।

2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए मंच तैयार करते हुए, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि गठबंधन अपने सहयोगियों के साथ भविष्य के चुनावों में भी जारी रहेगा और उन्होंने जोर देकर कहा कि जीत ही सफलता है, सीटें नहीं। यादव ने कहा कि हमने कई गठबंधन किए हैं। हमें गठबंधनों का अनुभव है और समाजवादी पार्टी ने हमेशा अपने सहयोगियों के लिए लाभ सुनिश्चित किया है। हमने कभी किसी को धोखा नहीं दिया। आज जो गठबंधन है, वह आगे भी जारी रहेगा।

गठबंधन संबंधी चर्चाएं सीटों के सौदेबाजी के इर्द-गिर्द नहीं

उन्होंने कहा कि भविष्य में गठबंधन संबंधी चर्चाएं सीटों के सौदेबाजी के इर्द-गिर्द नहीं बल्कि चुनावी सफलता सुनिश्चित करने के इर्द-गिर्द घूमेंगी। उन्होंने कहा कि गठबंधन में सीटों का सवाल ही नहीं उठेगा। लोकसभा चुनाव के दौरान भी मैंने यही कहा था कि मुद्दा सीटों का नहीं, जीत का है। वही फॉर्मूला फिर से काम करेगा। सवाल सीटों का नहीं, जीत का होगा। अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए विपक्षी एकता और संभावित सीट बंटवारे की व्यवस्था पर चल रही चर्चाओं के बीच ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं।

विपक्ष के लिए किसी चेहरे की क्या जरूरत

विपक्ष के चेहरे के बारे में पूछे जाने पर यादव ने कहा कि यह महंगाई, ईंधन की बढ़ती कीमतें, अग्निवीर युवा, किसान, मजदूर और साथ ही 69 हजार शिक्षामित्र होंगे जिन्हें स्थायी नौकरी नहीं मिली है। जब उनसे स्पष्ट करने को कहा गया, तो उन्होंने कहा कि विपक्ष के लिए किसी चेहरे की क्या जरूरत है? महंगाई खुद ही एक बड़ा चेहरा है। सत्ताधारी पार्टी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि जहां भाजपा का अंत होता है, वहीं से पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्याक - यादव द्वारा गढ़ा गया पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों का संक्षिप्त रूप) शुरू होता है।

पीडीए का अर्थ प्रेम, दया, अपनापन भी है

यादव ने कहा कि पीडीए का अर्थ प्रेम, दया, अपनापन भी है। नीट पेपर लीक का जिक्र करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि आधिकारिक आंकड़ों से कहीं अधिक लोग इसके शिकार हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम नीट परीक्षा से प्रभावित 22 लाख छात्रों में से पाँच सदस्यों को भी गिनें, तो लीक से प्रभावित लोगों की संख्या 11 करोड़ होगी। ये 11 करोड़ लोग हमारे प्रतिनिधि हैं। प्रभावित लोगों में से 4 लाख छात्र उत्तर प्रदेश से हैं और 20 लाख से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं।

चुनाव जिताने के लिए मिली तैनाती

पुलिस के अधिकारियों को पोस्टिंग दी गई कि आपका केस खत्म हो जाएगा बस आप चुनाव जिता दो। यह बात मैं ऐसे ही नहीं कह रहा हूं, आपके पाठक भी जाने जितना निष्पक्ष सत्यता के साथ, हालांकि लखनऊ में जहां आपने कहा कि लखनऊ में आप आए यहां का एक शिष्टाचार, एक अदब और एक संस्कृति है। लेकिन अभी एक संस्कृति और भी बनी है, नाम बदलने की। पत्रकारिता का भी नाम बदल देना चाहिए और सत्यकारिता हो जाना चाहिए। इसके साथ ही निष्पक्षता जुड़ जाए। पत्रकारिता, सत्यकारिता और निष्पक्षता जुड़ेगे तो हमारे लोकतंत्र के और कल्याणकारी जो सरकार की योजनाएं वो और मतबूत होंगी।

बसपा का कांग्रेस से गठबंधन का इरादा नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी का संदेश लेकर मायावती के दरवाजे पर पहुंचे कांग्रेस नेताओं को बैरंग लौटना पड़ा। मायावती ने मिलने से इनकार कर दिया।

» राहुल गांधी के दूत बसपा सुप्रीमो ने वापस लौटाए

कांग्रेस नेता गेट पर अपना नाम लिखवाकर लौट आए। हालांकि पार्टी नेताओं का कहना है कि वे सिर्फ औपचारिक मुलाकात के लिए गए थे। बसपा प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती इन दिनों लखनऊ में हैं।

यह जानकारी मिलने पर कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम, विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद तनुज पुनिया व अन्य नेता मायावती के आवास पर पहुंचे। उन्होंने मिलने का संदेशा भेजवाया। चर्चा है कि वे कांग्रेस के महासचिव राहुल गांधी का संदेशा लेकर गए थे। वे आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बातचीत करना चाहते थे, लेकिन मायावती ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। कांग्रेस नेताओं से मिलने से मना कर दिया। ऐसे में उन्हें बैरंग लौटना पड़ा। कांग्रेस नेताओं को बिना बुलाए मायावती के दरवाजे पर जाने को लेकर प्रदेश की सियासत में तरह- तरह की चर्चाएं हैं। इस संबंध में कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम का कहना है वह दलित समाज की पूर्व मुख्यमंत्री हैं। ऐसे में उनका हालचाल लेना हमारा दायित्व है। हमने अपना नाम गेट पर लिखवा दिया है। जब बुलाएंगी तो दोबारा मिलने जाएंगे।

भाटी के विवादित बयान पर कई जिलों में एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी एक बार फिर अपने विवादित बयानों को लेकर राजनीतिक और सामाजिक विवादों के केंद्र में आ गए हैं। हम आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा निवासी भाटी के हालिया बयानों ने न केवल समाजवादी पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, बल्कि विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों को भी आक्रामक रुख अपनाने का मौका दे दिया है।

विशेष रूप से ब्राह्मण, जाट और गुर्जर समाज को लेकर दिए गए उनके बयानों पर व्यापक विरोध देखने को मिल रहा है। राजकुमार भाटी का हालिया विवादित बयान सबसे पहले ब्राह्मण समाज को लेकर सामने आया। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने दोहे के माध्यम से ब्राह्मणों पर तंज कसा, जिसे लेकर व्यापक नाराजगी फैल गई। इस बयान के बाद समाजवादी पार्टी की सहयोगी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने भी समाजवादी पार्टी को ब्राह्मण विरोधी करार दिया। भारतीय जनता पार्टी ने इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाते हुए समाजवादी पार्टी पर हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों का अपमान करने का आरोप लगाया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भी इस मामले में सपा पर तीखा हमला बोला। उधर, विवाद बढ़ने के साथ अब कानूनी कार्रवाई भी तेज हो गई है। गाजियाबाद, नोएडा, सुलतानपुर और बागपत में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। बागपत कोतवाली में दर्ज प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 और 299 के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं मुजफ्फरनगर में भी जाट महासभा के विरोध के बाद उनके खिलाफ धारा 356 और 196 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो और अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है तथा जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किसी भी समाज या महिलाओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणी उचित नहीं : राकेश टिकैत

इस पूरे विवाद के बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत का बयान भी सामने आया। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज या महिलाओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणी उचित नहीं है। टिकैत ने यह भी कहा कि यदि किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो राजकुमार भाटी को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि सोशल मीडिया पर वीडियो के छोटे हिस्से वायरल किए जा रहे हैं और पूरे घटनाक्रम को भी समझने की जरूरत है।

ओबीसी होने के कारण मुझे निशाना बनाया जा रहा : भाटी

लगातार बढ़ते विवादों के बीच राजकुमार भाटी ने सफाई देते हुए दावा किया है कि उन्हें ओबीसी होने के कारण निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का आईटी सेल उनके बयानों के छोटे हिस्से काटकर सोशल मीडिया पर वायरल कर रहा है। हालांकि उनके खिलाफ विभिन्न समाजों में बढ़ता आक्रोश और दर्ज हो रही प्राथमिकी समाजवादी पार्टी के लिए राजनीतिक चुनौती बनती जा रही है, खासकर ऐसे समय में जब पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 27 की तैयारियों में जुटी हुई है।

इलेक्टेड नहीं, बिहार में सेलेक्टेड मुख्यमंत्री हैं : तेजस्वी यादव

» राजद नेता कानून व्यवस्था पर जमकर बरसे, जारी की 50 जघन्य अपराधों की लिस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के नेता और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने आज सम्राट सरकार पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने कहा कि छह महीने में दो मुख्यमंत्री बने। उन्होंने कहा कि इलेक्टेड सीएम को हटाकर सेलेक्टेड सीएम बनाए गए हैं। इसके बाद लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह फेल हो गया है।

उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर जमकर हमला साधते हुए कहा कि सम्राट चौधरी के पास गृह विभाग भी है। सरकार लगातार महिला सशक्तिकरण की बात करती रहती है, लेकिन महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सम्राट सरकार फेल हो रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि महिलाओं के साथ लगातार घटनाएं हो रही हैं, लेकिन प्रशासन कहीं नजर नहीं आ रहा है। बिहार में महिलाओं के साथ हो रही घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा कोई दिन नहीं है, जब माताओं और बहनों के साथ अत्याचार नहीं हो रहा हो, उनके साथ बलात्कार नहीं हो रहा हो, लेकिन शासन-प्रशासन खामोश है। उन्होंने कहा कि ऐसे कई अधिकारी और शासन में कुर्सी पर बैठे लोग हैं, जिन पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, आधे से अधिक लोग परिवारवाद के उदाहरण बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार महिला सशक्तिकरण की बात करती है, लेकिन आज भी महिलाओं में खून की कमी है। सरकार को इससे कोई मतलब नहीं है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि 6 महीनों में दोबारा बनी नई सरकार के नए सम्राट के अपावन सानिध्य में सत्ता-संपोषित अपराधी अब प्रदेश की माताओं, बहनों और बेटियों पर कहर बनकर टूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि चंद दिनों के बलात्कार और दुष्कर्म के आंकड़े दे रहा हूं। इसमें छेड़खानी और अन्य तरह की आपराधिक घटनाओं का जिक्र नहीं किया गया है।

बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

कोर्ट ने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ा : मेनका गांधी

» कुत्तों पर आए अदालती फैसले से नाखुश हुईं पूर्व केंद्रीय मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पशु अधिकार कार्यकर्ता मेनका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट पर तीखा हमला बोला, क्योंकि कोर्ट ने आवारा कुत्तों के स्थानांतरण और नसबंदी संबंधी अपने पूर्व आदेश को वापस लेने से इनकार कर दिया था। गांधी ने कहा कि कोर्ट के निर्देश ज़मीनी स्तर पर पूरी तरह विफल रहे हैं।

नवंबर -25 के अपने आदेश पर रोक लगाने की याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज किए जाने के बाद गांधी ने कहा कि कोर्ट ने कुछ नहीं किया, उसने सरासर अपनी ज़िम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है और कहा है कि अगर आप चाहें तो हाई कोर्ट जा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले इस बात पर जोर दिया था कि गरिमापूर्ण जीवन जीने के अधिकार में कुत्तों के हमलों के डर के बिना स्वतंत्र रूप से घूमने का अधिकार भी शामिल है। गांधी ने तर्क दिया कि अदालत ने केवल उन निर्देशों को दोहराया है जिन्हें पिछले छह महीनों में किसी भी राज्य सरकार या नगर प्रशासन ने लागू नहीं किया है। उन्होंने कहा कि अदालत ने बस इतना कहा है कि नवंबर में हमने जो कहा था, उसे किया जाना चाहिए। अब तक नवंबर से लेकर अब तक किसी ने कुछ नहीं किया है। छह महीने बीत चुके हैं। एक भी एबीसी केंद्र नहीं बना है। उन्होंने आगे कहा कि एक भी आश्रय स्थल नहीं बना है। न कोई अस्पताल, न कोई बस स्टॉप, न कोई स्कूल, न कोई कॉलेज, किसी ने भी कुत्तों को नहीं हटाया है, क्योंकि वे ऐसा कर ही नहीं सकते... यह तकनीकी रूप से संभव नहीं है। उन्होंने दावा किया कि पूरे भारत में निर्देशों का पालन न होना यह दर्शाता है कि अदालत के निर्देश शुरू से ही अव्यावहारिक थे। गांधी ने कहा कि मुझे लगता है कि इन छह महीनों में सुप्रीम कोर्ट को यह एहसास हो गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर नियमों का पालन नहीं हुआ है। यह किसी एक राज्य या जिले की बात नहीं है; किसी ने भी वह नहीं किया जो उन्होंने कहा था। इसलिए, परिणामस्वरूप, उन्होंने कहा है, ठीक है, अब अगर आपको कोई समस्या है, तो उच्च न्यायालय में जाएं। बस इतना ही।

योगी सरकार के ऐलान पर मचेगा सियासी घमासान

भाजपा ने जताई खुशी, विपक्ष भी तैयार करेगा रणनीति

यूपी पंचायत चुनाव से पहले पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन को मंजूरी

» सपा को पीडीए फार्मूले को करना होगा और धारदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी पंचायत चुनावों जबरदस्त चुनाव देखने को मिलेगा। गांवों व आम शहरी लोगों के चुनाव से पहले योगी सरकार ने कैबिनेट बैठक में पंचायत चुनाव में ओबीसी आरक्षण तय करने के लिए नया आयोग बनाने की राह आसान कर दी है। सियासी रणनीतिकार इसे मास्टरस्ट्रोक मान रहे है। अब इसका असर चुनावों पर कितना पड़ेगा ये 27 के चुनाव परिणाम बताएंगे। हालांकि भाजपा इस फैसले से खुश होगी।

ज्ञात हो ओबीसी एक बहुत बड़ा धड़ा सपा के साथ है। ऐसे भाजपा तो इसका लाभ लेगी ही अब सपा को अपने पीडीए के फार्मूले को और धार देना होगा। बजा दें ओबीसी आरक्षण तय करने के लिए यूपी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग गठन को मंजूरी दे दी है। यह आयोग पंचायत स्तर पर पिछड़ों की हिस्सेदारी का अध्ययन करेगा। इस आयोग के गठन ने पंचायत चुनाव के रास्ते की सबसे बड़ी कानूनी अड़चन को दूर कर दिया है। गौरतलब है कि यूपी में पंचायत चुनावों को लेकर काफी समय से असमंजस की स्थिति बनी हुई है। अब योगी कैबिनेट ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में ओबीसी आरक्षण का सटीक स्वरूप और आनुपातिक आबादी तय करने के लिए समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। इस आयोग के विस्तृत सर्वे रिपोर्ट के आधार पर ही सीटों के आरक्षण का रोटेशन तय किया जाएगा। इससे सुप्रीम कोर्ट के ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूले की वैधानिक बाध्यता पूरी हो जाएगी। पांच सदस्यीय ओबीसी आयोग का अध्यक्ष हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज होंगे। इनका कार्यकाल छह महीने का होगा। हालांकि अब 26 मई तक पंचायत चुनाव कराना संभव नहीं लग रहा है। ऐसे में चुनाव बरसात बाद अक्टूबर-नवंबर या फिर मार्च में विधानसभा चुनाव के बाद ही संभव लग रहे हैं। ये चुनाव अगर होते हैं तो विस चुनाव से पहले सभी पार्टियों के लिए हाफ इयरली एक्जाम की तरी होंगे।

यूपी में पंचायत चुनाव कब होंगे अभी असमंजस में

मॉनसून में बारिश के दौरान और धान जैसी खरीफ फसलों की बुवाई को देखते हुए भी पंचायत चुनाव होना मुश्किल हैं, ऐसे में अक्टूबर-नवंबर के आसपास ऐसा हो सकता है, लेकिन अगले साल मार्च में विधानसभा चुनाव को देखते हुए चार महीने पहले पंचायत चुनाव कराना सरकार के लिए राजनीतिक जोखिम भरा फैसला हो सकता है, पंचायत चुनाव में अक्सर गुटबाजी, वर्चस्व और राजनीतिक टकराव देखा जाता है। दलीय मर्यादाएं तार-तार हो जाती हैं इसका पार्टी संगठनों पर बुरा असर पड़ सकता है।

पंचायत चुनाव की मतदाता सूची अभी भी तैयार नहीं

उत्तर प्रदेश में अभी पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूची भी तैयार नहीं हो पाई है। राज्य निर्वाचन आयोग लखनऊ ने 10 जून तक फाइनल वोटर लिस्ट तैयार करने की समयसीमा तय की है, हालांकि आपत्तियों के निस्तारण में समय लग सकता है। तमाम पंचायतों के इलाके शहरों में शामिल होने से भी ग्राम पंचायतों की संख्या इस बार घट सकती है।

यूपी में कितनी ग्राम पंचायत

- 57695 ग्राम पंचायत
- 826 ब्लॉक पंचायत
- 75 जिला पंचायत

ओबीसी आयोग सभी 75 जिलों में करेगा बैठक

उत्तर प्रदेश त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव ओबीसी आयोग सभी 75 जिलों में बैठक, जातिवार और आर्थिक आंकड़ों की समीक्षा के बाद ही आरक्षण संबंधी अपनी रिपोर्ट इसमें 4-5 महीनों का समय लग सकता है, ओबीसी आयोग की रिपोर्ट के आधार पर पंचायत चुनाव आरक्षण की जो सिफारिशें आएंगी, उस पर फिर राजनीतिक दलों और अन्य संबंधित पक्षों से आपत्तियां मांगी जाएगी, जिनके निस्तारण में भी एक महीने का वक्त लग सकता है। ऐसे में पंचायत चुनाव हाल फिलहाल होना मुश्किल लग रहा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिया था आदेश

यूपी में ग्राम पंचायत चुनाव, क्षेत्र पंचायत चुनाव और जिला पंचायत चुनाव का मामला काफी समय से लटका है, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकार को ओबीसी आयोग के गठन का आदेश दिया है, हाईकोर्ट में दाखिल याचिकाकर्ता ने समय से पंचायत चुनाव कराने की मांग वाली याचिका दाखिल की थी। याचिका में कहा गया है कि पंचायत चुनाव टालना और ग्राम प्रधान की जगह प्रशासकों को जिम्मेदारी देना संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है।

बयानों से बिहार में सियासी सरगर्मी बढ़ी

तेजस्वी व आनंद मोहन के तेवर से माहौल गर्म

» राजद नेता बोले-ज्यादा नहीं चलेगी बीजेपी की सरकार

» बाहुबली पुत्र को मंत्री न बनाने से नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में राजद नेता तेजस्वी के एक बयान के बाद राज्य में सियासी पारा चढ़ गया। बिहार के मोतिहारी में रविवार को आरजेडी नेता और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पहुंचे। वह पूर्व आरजेडी जिलाध्यक्ष स्वर्गीय सुरेश यादव की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान तेजस्वी यादव ने बिहार की राजनीति और केंद्र सरकार को लेकर कई बड़े बयान दिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने दावा किया कि बिहार में बीजेपी की सरकार ज्यादा दिनों तक नहीं टिकेगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय भी उन्होंने पहले ही भविष्यवाणी की थी कि एनडीए की सरकार बनने के बाद नीतीश कुमार लंबे समय तक मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। वहीं सीतामढ़ी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद आनंद मोहन ने जेडीयू नेतृत्व और बिहार सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने बेटे चेतन आनंद को मंत्री न बनाए जाने का दर्द जाहिर करते हुए कहा कि सरकार बचाने में उनके परिवार की बड़ी भूमिका रही, लेकिन अब उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है।

केंद्र सरकार के पास कोई स्पष्ट विजन नही

अपने भाषण में तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री लोगों से ईंधन कम इस्तेमाल करने और सोना नहीं खरीदने की अपील कर रहे हैं। तेजस्वी ने व्यंग्य करते हुए कहा कि आने वाले समय में शायद लोगों से कपड़े तक न पहनने की बात कही जाए, उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के पास कोई स्पष्ट विजन नहीं है और इसी वजह से देश की हालत खराब होती जा रही है।

मैंने चाचा नीतीश कुमार के बारे में ऐसा ही कहा था

तेजस्वी ने कहा, मैंने पहले ही कहा था कि चाचा नीतीश कुमार को ये लोग ज्यादा दिन मुख्यमंत्री नहीं रहने देंगे और वही हुआ। अब आगे देखिए, बिहार में बीजेपी की सरकार भी ज्यादा दिन नहीं चलेगी। उनके इस बयान के बाद बिहार की सियासत में चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि राजनीतिक जानकार इसे कार्यकर्ताओं में जोश भरने वाला बयान भी मान रहे हैं।

कार्यकर्ताओं से एकजुट रहने की अपील

तेजस्वी यादव ने इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आरजेडी फिर से मजबूती के साथ वापसी । उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट रहने और संघर्ष जारी रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि आप लोग अडिग रहिए। जो लड़ता है वही जीतता है। हमारा भी समय आएगा और आरजेडी फिर मजबूती से खड़ी होगी।

बाहुबली ने पार्टी से दे दिए बगावत के संकेत

पूर्व सांसद आनंद मोहन का जेडीयू नेतृत्व और नीतीश सरकार पर बड़ा गुस्सा फूटा। शहर के डुमरा स्थित एक होटल सभागार में आयोजित महाराणा प्रताप प्रतिमा अनावरण समारोह में शामिल होने पहुंचे पूर्व सांसद ने खुले मंच से अपनी पार्टी के भीतर चल रही खींचतान और बेटे चेतन आनंद को मंत्री न बनाए जाने का दर्द बयां किया। आनंद मोहन ने बेहद आक्रामक अंदाज में कहा कि नीतीश कुमार के लिए उन्होंने और उनके परिवार ने जितनी बड़ी कुर्बानी दी है, वैसी किसी और ने नहीं दी। उन्होंने याद दिलाया कि उन्होंने एक इशारे पर कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था और जिंदगी भर साथ निभाया, लेकिन आज उन्हें और उनके संघर्ष को हाशिए पर धकेल दिया गया है। पूर्व सांसद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आसपास सक्रिय नेताओं पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में अब 'थैली की राजनीति' धड़ल्ले से चल रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, तू न बोले बाबू, तेरा पैसा बोले रे वाली स्थिति आज पार्टी में पैदा हो गई है। आनंद मोहन ने आरोप लगाया कि जो लोग पैसे और थैली पहुंचा रहे हैं, उन्हें मंत्री और बड़ा नेता बनाया जा रहा है, जबकि स्थापित और संघर्षशील नेताओं को दरकिनार किया जा रहा है।

टाइगर अभी जिंदा है

उन्होंने बक्सर और आरा के एमएलसी चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां की जनता ने इस थैली की राजनीति को करारा तमाचा दिया है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जल्द ही दूसरा चुनाव होने वाला है और लोग देख लेंगे कि टाइगर अभी जिंदा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

नकल माफिया तंत्र सरकारी तंत्र पर ज्यादा हावी?

> पेपर लीक की घटनाएं छात्रों और अभिभावकों के लिए केवल परीक्षा संबंधी समस्या नहीं, बल्कि गहरा मनोवैज्ञानिक आघात बन जाती हैं। जब पेपर लीक होता है तो सबसे अधिक कीमत वह छात्र चुकाता है, जो ईमानदारी से पढ़ाई कर रहा है।

नीट परीक्षा रद होने के बाद एनटीए पर सवाल उठ रहा है। उसको रद करने के लिए कुछ संगठन सुप्रीम कोर्ट भी गए हैं। इस पर फैसला क्या आता है समय बताएगा। पर कुल मिलाकर सरकार को परीक्षाओं में हो रही धांधली को रोकने के लिए कुछ ठोस उपाय उठाने होंगे। ऐसा लगता है जैसे नकल माफिया तंत्र सरकारी तंत्र पर ज्यादा हावी हो गया है। सरकार को समस्या के मूल में जाकर इसका सामधान निकालना होगा। वहीं शिक्षा में बढ़ते कोचिंग कल्चर पर प्रभावी नियंत्रण और मजबूत नियामक व्यवस्था का अभाव इस संकट को और गंभीर बनाता है। पेपर लीक की घटनाएं छात्रों और अभिभावकों के लिए केवल परीक्षा संबंधी समस्या नहीं, बल्कि गहरा मनोवैज्ञानिक आघात बन जाती हैं। जब पेपर लीक होता है तो सबसे अधिक कीमत वह छात्र चुकाता है, जो ईमानदारी से पढ़ाई कर रहा है। दो-तीन साल दिन रात मेहनत करने वाले छात्र खुद को जब इस अव्यवस्था में फंसा पाते हैं तो वे निराशा और अवसाद से ग्रस्त होने लगते हैं।

सबसे बड़ा नुकसान योग्यता आधारित व्यवस्था को होता है। ईमानदारी से मेहनत करने वाला छात्र पीछे रह जाता है, जबकि आर्थिक या अन्य अनुचित साधनों का उपयोग करने वाला डॉक्टर बनने की राह में आगे निकल जाता है। इससे समाज में योग्यता और न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास कमजोर होता है। मध्यवर्गीय परिवार अपनी जीवनभर की जमा-पूंजी बच्चों की पढ़ाई और कोचिंग पर लगा देते हैं। परीक्षा रद्द होने या धांधली सामने आने पर उन्हें आर्थिक और मानसिक दोनों प्रकार की क्षति उठानी पड़ती है। इस समस्या से निपटने के लिए केवल सतही सुधार पर्याप्त सर्जिकल स्ट्राइक की आवश्यकता है। पेपर लीक को गैर-जमानती अपराध की श्रेणी में रखा जाना चाहिए। दोषियों के लिए कठोर दंड, लंबी सजा और अवैध कमाई या संपत्ति जब्त करने जैसे प्रावधान होने चाहिए। इन मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों का गठन किया जाए, ताकि अपराधियों को वर्षों नहीं बल्कि महीनों के भीतर सजा मिल सके। तकनीकी और सुरक्षा में भी सुधार किए जाने की आवश्यकता है। प्रश्नपत्रों को डिजिटल रूप से एन्क्रिप्ट किया जाए जो परीक्षा शुरू होने से कुछ मिनट पहले सुरक्षित ओटीपी प्रणाली के माध्यम से ही खुलें। परीक्षा केंद्रों पर एआइ आधारित निगरानी प्रणाली लागू की जा सकती है, जो संदिग्ध गतिविधियों और डेटा विसंगतियों की पहचान करे। प्रश्नपत्रों की प्रिंटिंग और वितरण प्रक्रिया में ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग ट्रैसेबिलिटी और पारदर्शिता सुनिश्चित कर सकता है। एक ही संस्था पर करोड़ों छात्रों की परीक्षाओं का बोझ डालने के बजाय परीक्षाओं को चरणबद्ध या जोन में विभाजित किया जा सकता है। इसलिए अब समय आ गया है कि शिक्षा व्यवस्था को प्रदूषित करने वाली शक्तियों के खिलाफ सामूहिक, कठोर और ईमानदार संकल्प लिया जाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पंजाब कांग्रेस के लिए केरल से सबक लेना जरूरी

ज्योति मल्होत्रा

अच्छी-भली जीत को हार में बदलने का कांग्रेस पार्टी को मानो शौक ही है, राज्यों के हालिया विधानसभा चुनावों में यह काफी अच्छी तरह देखने को मिला; केरल में सबसे ज्यादा। यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) का नेतृत्व करते हुए 140 विधायकों वाली विधानसभा में 102 सीटें जीत जबर्दस्त बहुमत पाने के बावजूद दस दिन लग गए मुख्यमंत्री तय करने में, आखिर ,छह बार के विधायक वी.डी. सतीशन को अपना 'मुख्यमंत्री-निर्वाचित' घोषित कर जनता के बीच और अधिक किरकिरी होने से बचाया। यहां तक कि राहुल गांधी को भी यह अहसास हो गया था कि अपने सबसे खास सिपहसालार को 'ईश्वर के अपने देश' (केरल) में बतौर मुख्यमंत्री भेजना-यानी शक्तिशाली पार्टी महासचिव और संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल को, जिन्हें इस पुरानी व बड़ी पार्टी के सबसे ताकतवर नेता के 'आंख-कान' कहा जाता है-केरल के लोगों को बिल्कुल रास नहीं आएगा।

हां, अगर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठा ही दिया जाता तो शायद लोग सुबह की कॉफी के साथ यह कड़वा घूंट निगल लेते। आखिरकार, जीतकर आए ज्यादातर विधायक हफ्ता-दस दिन पहले तक वेणुगोपाल के ही खेमे में थे। और फिर विरोध की आवाजें तेज होती गईं और माहौल बदल गया। लगता है कि वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने दखल दिया, जिससे निश्चित ही मदद मिली होगी। लेकिन असहमति का यह सुर दबा हुआ था- क्योंकि आखिर लोकसभा में विपक्ष के नेता के खिलाफ कौन खुलकर बोलने की हिम्मत करता? वह नेता जिसकी जियु-जित्सू मार्शल आर्ट की महारत, दुनिया के उनके नजरिए का इतना अहम हिस्सा है, कि हाल ही में उन्होंने हिमाचल प्रदेश में संपन्न एक पार्टी कार्यक्रम के दौरान पंजाब कांग्रेस के नेताओं प्रताप बाजवा और राजा वड़िंग से दंड-बैठकें लगवा दीं; लेकिन उस खबर के लिए आपको मेरे सहयोगी राजमीत सिंह का लेख पढ़ना होगा- अंतत: वडासेरी दामोदरन सतीशन के पक्ष में माहौल बन गया (उनके नाम का पहला भाग वडासेरी, जिसे थरावड भी कहते हैं, घर का नाम है, बीच वाला उनके पिता का नाम व आखिरी अंश उनका अपना नाम है)।

लेकिन ठीक उसी तरह, जैसे केरल के कांग्रेसी महिला व पुरुष गुरुवायूर में देवता के चरणों में नारियल फोड़ते हैं- विधायकों को सतीशन के पक्ष में झुकना पड़ा, इस तथ्य के मद्देनजर कि अगले पांच साल तक उन्हें नहीं बल्कि राहुल

गांधी को वेणुगोपाल से सीधे तौर पर बरतना है; साथ ही, दिल्ली में जो कुछ होता है, वह दिल्ली में ही रहना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता दत्तात्रेय होसबाले ने गत सप्ताह की शुरुआत में पाकिस्तान को लेकर सनसनीखेज बयान दिया कि : 'पुलवामा हमले जैसी 'छिटपुट घटनाओं' के बावजूद, लोगों के आपसी संवाद का अधिकाधिक मौका देकर कोशिश की जानी चाहिए। नागरिक स्तर के संबंध कारगर हो सकते हैं, क्योंकि हम एक ही राष्ट्र रहे हैं। देश की सुरक्षा और आत्म-सम्मान कायम रहे, लेकिन हमें दरवाजे बंद करने की जरूरत नहीं। सदा उनसे संवाद को तैयार रहना चाहिए। व्यापार, वाणिज्य और वीजा जारी करना बंद न हो। बातचीत के लिए सदा खिड़की खुली रहे'। होसबाले ने यह साक्षात्कार न्यूज एजेंसी पीटीआई को ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के चंद दिन बाद दिया। यह कथन कई कारणों से खास है। पहला, बतौर संघ 'सहकार्यवाह' यानी संगठन में दूसरे सबसे वरिष्ठ व्यक्ति होसबाले एक शक्तिशाली नेता हैं, जिनके शब्दों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। दूसरा, यह इसका संकेत है कि आरएसएस समकालीन मुद्दों से लगातार जुड़ा रहता है। तीसरा, भले ही ये टिप्पणी सरकार की इस लीक से अलग हो कि 'आतंक और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते', फिर भी इस कथन को उस नीति की पुनर्समीक्षा की जमीन तैयार करने की कोशिश के तौर पर देखा जा सकता है। (फिलहाल, ऐसा कोई बदलाव नहीं हुआ) चौथा, ये साक्षात्कार न्यूज एजेंसी को दिया गया, जिससे संकेत मिलता है कि आरएसएस की मंशा थी कि साक्षात्कार बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुंच सके।

पांचवां, यह टिप्पणी होसबाले के अमेरिका से लौटने के तुरंत बाद आई है; वे शायद वहां कई तरह के लोगों से मिले होंगे, जिन्होंने उन्हें पाकिस्तान और चीन के संदर्भ में बदलते वैश्विक परिदृश्य का बोध करवाया होगा-याद रहे, अमेरिका में आरएसएस की मजबूत मौजूदगी है और वह भारतीय मूल के लोगों के एक बड़े तबके से गहराई से जुड़ा है। छठा, उनके कथन पर एक तरह से चुप्पी छाई रही, जिससे पता चलता है कि देश अभी भी उनके शब्दों का भार जज्ब करने की कोशिश कर रहा है। सातवां, केवल पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज नरवाणे और जम्मू-कश्मीर के नेता फारूक अब्दुल्ला ने उनकी कही बात का स्वागत किया।

उपभोक्ता व्यवहार परिवर्तन में वैश्विक संकट का हल

सुरेश सेठ

> युद्धरत देशों ने एक-दूसरे पर दबाव बनाने के लिए आपूर्ति मार्गों पर कब्जा जमा लिया है। ईरान, अमेरिका और इस्राइल के बीच चल रहा तनाव अब होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी तक पहुंच गया है, जिससे हालात और अधिक गंभीर हो गए हैं। नतीजा साफ है कि केवल भारत ही नहीं, बल्कि यूरोप जैसे समृद्ध और आयात-आधारित देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी इस युद्ध से चरमरा रही हैं। (कोविड काल एक प्राकृतिक महामारी थी, लेकिन वर्तमान संकट मानव निर्मित है, जिसे युद्धरत देशों ने शक्ति प्रदर्शन की होड़ में पैदा किया है।

पूरी दुनिया युद्ध के दावानल से गुजर रही है। यह आग थमने का नाम नहीं ले रही। संवाद और समझौते की घोषणाएं होती हैं, जिससे कुछ समय के लिए शेयर बाजारों में उत्साह दिखाई देता है, लेकिन जल्द ही संघर्ष का कठोर सच सामने आ जाता है। यह संघर्ष अब वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए भी गंभीर संकट बन चुका है। युद्धरत देशों ने एक-दूसरे पर दबाव बनाने के लिए आपूर्ति मार्गों पर कब्जा जमा लिया है। ईरान, अमेरिका और इस्राइल के बीच चल रहा तनाव अब होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी तक पहुंच गया है, जिससे हालात और अधिक गंभीर हो गए हैं। नतीजा साफ है कि केवल भारत ही नहीं, बल्कि यूरोप जैसे समृद्ध और आयात-आधारित देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी इस युद्ध से चरमरा रही हैं।

कोविड काल एक प्राकृतिक महामारी थी, लेकिन वर्तमान संकट मानव निर्मित है, जिसे युद्धरत देशों ने शक्ति प्रदर्शन की होड़ में पैदा किया है। रूस-यूक्रेन युद्ध से भी इतनी बड़ी आपूर्ति अव्यवस्था नहीं हुई थी, जितनी पश्चिम एशिया के संघर्ष ने पैदा कर दी है। सबसे गंभीर स्थिति होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी से बनी है। कच्चे तेल और गैस से भरे सैकड़ों जहाज रास्तों में रुके पड़े हैं, जिससे पूरी दुनिया चिंतित है। भारत ने अपने ऊर्जा भंडार के सहारे आर्थिक संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है, लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक संभालना आसान नहीं होगा। भारत की अर्थव्यवस्था भी बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। पेट्रोल, डीजल, गैस, डामर और यूरेनियम तक इसी मार्ग से आते हैं। ऐसे में आयात संकट गहराता जा रहा है और सीमित भंडार तेजी से घट रहे हैं। हाल ही में हैदराबाद में प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को विश्व के लिए गंभीर और भयावह संकट बताया।

उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल बलिदान देने तक सीमित नहीं, बल्कि आर्थिक संकट के समय जिम्मेदारीपूर्ण जीवन जीने में भी है। भारत के सामने इस समय बड़ी चुनौती ऊर्जा आपूर्ति की है, क्योंकि देश अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है और उसका बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते खाड़ी देशों से आता है। इसी मार्ग से प्राकृतिक गैस, तारकोल और किसानों के लिए उर्वरक भी भारत पहुंचते हैं। लेकिन युद्ध के कारण यह रास्ता बाधित हो गया है।

लगातार बढ़ती हिंसा और तबाही से साफ है कि शांति वार्ताएं फिलहाल केवल औपचारिकता बनकर रह गई हैं और युद्धरत देश टकराव की राह पर अड़े हैं। ऐसे में निकट भविष्य में होर्मुज मार्ग खुलने की संभावना भी कम नजर आ रही है, जिससे वैश्विक आर्थिक संकट और गहरा सकता है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से सोने की गैर-जरूरी खरीद से बचने की अपील की है। भारत में विवाह आदि अवसरों पर सोना खरीदना परंपरा और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है, लेकिन बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की पहुंच से इसे दूर कर दिया है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में यह स्थिति और गंभीर हो गई है। कोविड के बाद शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध अब तक जारी है, वहीं चीन-ताइवान तनाव भी बढ़ता जा रहा है। इन सभी घटनाओं का संयुक्त प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। ऊर्जा संकट, महंगाई, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और बाजार की अस्थिरता बढ़ी है। इसका असर भारत सहित अनेक देशों पर दिखाई दे रहा है, जिससे आर्थिक अनिश्चितता और बढ़ गई है।

विश्व में पेट्रोल, डीजल, गैस और खाद की आपूर्ति गंभीर रूप से बाधित हो चुकी है। भारत अपनी जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है, इसलिए इस संकट का सीधा असर देश के भोजन, ईंधन और कृषि आपूर्ति पर पड़ना तय है। इस स्थिति से निपटने हेतु विदेशी मुद्रा बचाने और ऊर्जा संसाधनों के संरक्षण पर भी जोर दिया जा रहा है। इसी कारण उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव की अपील की गई है-पेट्रोल और डीजल का सावधानी से उपयोग, सार्वजनिक परिवहन जैसे मेट्रो का अधिक उपयोग और कारपूलिंग को बढ़ावा देने की बात कही जा रही है। माल ढुलाई में भी रेलवे सेवाओं के अधिक उपयोग पर जोर दिया जा रहा है, हालांकि वर्तमान ढांचे में अभी पूरी तरह परिवर्तन संभव नहीं है। ऐसे में सरकार के सामने मूल्य स्थिरता बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है, जबकि युद्ध का समाधान अभी दूर दिखाई देता है।

नेचुरल तरीके से बढ़ाएं विटामिन बी-12

विटामिन बी-12, जिसे कोबालामिन भी कहा जाता है, हमारे शरीर के लिए एक जरूरी पोषक तत्व है जो रेड ब्लड सेल्स के निर्माण और नर्वस सिस्टम को अच्छे से चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अक्सर यह माना जाता है कि विटामिन बी-12 केवल मांसाहारी भोजन में ही पाया जाता है, जिसके कारण शाकाहारी लोगों में इसकी कमी का जोखिम काफी बढ़ जाता है। शरीर में इस विटामिन की कमी से थकान, कमजोरी, याददाश्त में कमी और नसों में झुनझुनी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। चूंकि हमारा शरीर इस विटामिन को खुद नहीं बना सकता, इसलिए इसे आहार के माध्यम से लेना बहुत जरूरी है। जो लोग शाकाहारी हैं उनके लिए अच्छी बात यह है कि नेचर ने उन्हें कुछ ऐसे विशेष खाद्य पदार्थ प्रदान किए हैं, जो नेचुरल रूप से बी-12 के लेवल को बढ़ाने में काफी मदद करते हैं। सही चुनाव और संतुलित आहार के जरिए आप बिना किसी सप्लीमेंट के इस कमी को पूरा कर सकते हैं और अपने मस्तिष्क व शरीर को एनर्जेटिक बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

डाइट में शामिल करें ये चीजें

मशरूम की ताकत

कुछ शोध बताते हैं कि कुछ प्रकार के मशरूम, विशेषकर शिटाके मशरूम में विटामिन बी-12 की पाई जाती है। साथ ही खमीरयुक्त फूड प्रोडक्ट जैसे इडली, डोसा और किमची भी पाचन तंत्र में गुड बैक्टीरिया बढ़ाकर इस विटामिन के अवशोषण में मदद करते हैं। हालांकि इन चीजों में जिनता विटामिन-बी-12 मिलता है वो नॉन वेज में मिलने वाले विटामिन बी-12 से काफी कम होता है, लेकिन इसके नियमित सेवन से शरीर का पोषण लेवल स्थिर बना रहता है। सूखे शिटाके मशरूम में लगभग 1.3 माइक्रोग्राम बी12 प्रति 100 ग्राम हो सकता है। हमारी रोज की विटामिन बी 12 की जरूरत 2.4 माइक्रोग्राम होती है जो 200 ग्राम सूखा शिटाके मशरूम खाने से पूरी होगी।

टेम्पेह और न्यूट्रिशनल यीस्ट

सोयाबीन से बना टेम्पेह एक ऐसा फर्मेंटेड उत्पाद है जिसमें फर्मेंटेशन प्रक्रिया के दौरान बी-12 का निर्माण होता है। यह सोयाबीन को फर्मेंट कर तैयार किया जाता है। टेम्पेह मुख्य रूप से पारंपरिक इंडोनेशियाई खाने का हिस्सा है। विटामिन-बी12 से भरपूर टेम्पेह, टोफू की तरह का ही होता है। आप इसे स्टीम, बेक या फिर ग्रिल कर खा सकते हैं। वहीं, न्यूट्रिशनल यीस्ट शाकाहारी लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हो रहा है। इसका स्वाद पनीर जैसा होता है और इसे सूप या सलाद पर छिड़क कर खाया जा सकता है। यह न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि विटामिन बी-12 का एक पावर हाउस भी माना जाता है। न्यूट्रिशनल यीस्ट का चीज जैसी स्वाद होने की वजह से कई लोग इसका इस्तेमाल खाने में चीज का स्वाद पाने के लिए भी करते हैं। आप इसका इस्तेमाल शाकाहारी सॉस, मिर्च, करी या यर-पॉप्ड पॉपकॉर्न में कर सकते हैं। ऐसे में अगर आप वेजीटेरियन और वीगन हैं, तो अपने शरीर में विटामिन बी12 की पूर्ति के लिए इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

सही चुनाव है जरूरी

विटामिन बी-12 की कमी को दूर करने के लिए केवल सही भोजन खाना काफी नहीं है, बल्कि आपके पेट का स्वास्थ्य भी अच्छा होना चाहिए ताकि शरीर इसे सोख सके। अगर आपको गंभीर लक्षण महसूस हों, तो डॉक्टर से परामर्श कर ब्लड टेस्ट जरूर कराएं, डॉक्टर आपको सप्लीमेंट खाने के लिए दे सकते हैं। इन सब से साथ एक चीज जो बहुत जरूरी है कि अपनी डाइट में विविधता लाएं ये शरीर के पोषक तत्वों को बनाए रखने का सबसे शानदार तरीका है।

डेयरी उत्पाद और फोर्टिफाइड अनाज

दूध, दही और पनीर विटामिन बी-12 के सबसे सुलभ शाकाहारी स्रोत हैं। एक गिलास दूध या एक कटोरी दही शरीर की दैनिक आवश्यकता का काफी हिस्सा पूरा कर सकती है। इसके अलावा, बाजार में उपलब्ध फोर्टिफाइड सीरियल्स (जैसे कॉर्नफ्लेक्स या ओट्स) एक बेहतरीन विकल्प हैं, जिनमें निर्माण के दौरान विटामिन बी-12 अलग से मिलाया जाता है। यह उन लोगों के लिए कॉफी फायदेमंद हो सकता है जो डेयरी उत्पादों का सेवन कम करते हैं। दही प्रोटीन और कैल्शियम का अच्छा स्रोत है। इसे खरीदते या खाते समय यह ध्यान रखें कि इसमें चीनी न मिली हो। आप इसे बैक्ड आलू या फिर फलों के साथ खा सकते हैं। कुछ प्लांट बेस्ड दूध जैसे सोया मिल्क, आल्मंड मिल्क और ओट्स मिल्क, अक्सर विटामिन बी 12 के साथ फोर्टिफाइड होते हैं।

हंसना मना है

संता अपनी बीमारी की वजह से डॉक्टर के पास गया, डॉक्टर: आपकी बीमारी की सही वजह मेरी समझ में नहीं आ रही, हो सकता है दारु पीने की वजह से ऐसा हो रहा हो, संता: कोई बात नहीं डॉक्टर साहब, जब आपकी उतर जाएगी तो मैं दोबारा आ जाऊंगा।

बाप- मेरे 4 बच्चे है, पहला MBA, दूसरा MCA, तीसरा PHD, चौथा चोर है। फ्रेंड- चोर को घर से निकालते क्यूं नहीं? बाप- वही तो कमाता है, बाकी सब बेरोजगार है।

संता- यार मुन्नू, पत्नी को बेगम क्यों कहा जाता है? बंता- क्या है की शादी के बाद, सारे गम पति के हो जाते है। तो पत्नी बेगम हो जाती है।

मनोहर- क्या एक वाईफ अपने हसबैंड को लखपती बना सकती है? गजोधर- हां, पर हसबैंड करोड़पती होना चाहिए।

फ्रेंड: यार तुम्हारी दुकान मिठाई की है, तो क्या तुम्हारा दिल नहीं करता, मिठाई खाने को? सांता: यार करता तो बहुत है, लेकिन पापा रसगुल्ले गिन के जाते है, तो इसलिए चूसकर रख देता हूं।

लड़कियों को गाली मत दो, बस एक वर्ड काफी है, जो गाली से ज्यादा असर कर देगा.. और वो है, आंटी जी।

कहानी | छोटे प्रयासों से बहुत कुछ मिल जायेगा

एक आदमी समुद्रतट पर चल रहा था। उसने देखा कि कुछ दूरी पर एक युवक ने रेत पर झुककर कुछ उठाया और आहिस्ता से उसे पानी में फेंक दिया। उसके नज़दीक पहुंचने पर आदमी ने पूछा- और भाई, क्या कर रहे हो? युवक ने जवाब दिया, मैं इन मछलियों को समुद्र में फेंक रहा हूं। लेकिन इन्हें पानी में फेंकने की क्या ज़रूरत है? युवक ने कहा, ज्वार का पानी उतर रहा है और सूरज की गर्मी बढ़ रही है। आदमी ने देखा कि समुद्रतट पर दूर-दूर तक मछलियां बिखरी पड़ी थीं। वह बोला, इस मीलों लंबे समुद्रतट पर न जाने कितनी मछलियां पड़ी हुई हैं। इसतरह कुछेक को पानी में वापस डाल देने से तुम्हें क्या मिल जाएगा? युवक ने फ़िर से रेत पर झुककर एक और मछली उठाई और उसे आहिस्ता से पानी में फेंककर बोला, आपको और हमें इससे कुछ मिले न मिले। लेकिन इस मछली को सब कुछ मिल जाएगा। यह केवल सोच का ही फर्क है। सकारात्मक सोच वाले व्यक्ति को लगता है कि उसके छोटे छोटे प्रयासों से किसी को बहुत कुछ मिल जायेगा लेकिन नकारात्मक सोच के व्यक्ति को यही लगेगा कि यह समय की बर्बादी है? यह हम पर है कि हम कौनसी कहावत पसंद करते है... अकेला चना भांड नहीं फोड़ सकता। या बूंद बूंद से ही घड़ा भरता है। हम सब आदर्शवादी और अच्छे कार्य करने की बातें करते रहते है। जैसे बिजली बचाना, सड़क पर कचरा न फेंकना, किसी जरूरतमंद की मदद करना और बहुत कुछ। लेकिन हममें से ज्यादात्तर लोग ऐसी बातों का पालन नहीं करते। सबसे ज्यादा खाना हम पढ़े लिखे लोग ही वैस्ट करते है जबकि दूसरी और भारत में रोजाना, लाखों लोग भूखे सोते है। ऐसे पढ़े लिखे लोग भी आसानी से मिल जायेंगे जिनके पास इतना भी टाइम नहीं कि वे सड़क पर पड़े हुए घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचा दें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला

बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

वृषभ

चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

मिथुन

विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

धनु

स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कर्क

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

मकर

रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी।

सिंह

योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कुम्भ

विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दु:खद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

कन्या

कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

मीन

मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

हालीवुड | मन की बात

90 के दौर में अफवाहें एक्टर्स की इमेज बनाती थीं : रवीना टंडन

रवीना टंडन अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर चर्चाओं में हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर और पहला गाना जारी किया गया है। हाल ही में रवीना ने 90 के दशक के दौर में एक्टर-एक्ट्रेस के मीडिया के साथ रिश्ते पर बात की। साथ ही उन्होंने येलो जर्नलिज्म को लेकर भी अपनी राय रखी। एक्ट्रेस का मानना है कि 90 के दौर में जब सेलेब्स सोशल मीडिया पर तुरंत अपनी बात नहीं रख पाते थे, तब अफवाहें और सनसनीखेज सुर्खियां अक्सर रातोंरात लोगों के बारे में राय बना देते थे। नॉट डन यट के एपिसोड 2 में मालिनी अग्रवाल से बात करते हुए रवीना टंडन ने बताया कि सोशल मीडिया अभिनेताओं को दर्शकों से सीधे जुड़ने और अपनी बात रखने की आजादी देता है। येलो जर्नलिज्म को लेकर रवीना ने कहा कि मुझे लगता है कि उस समय येलो जर्नलिज्म पर कोई कंट्रोल नहीं था। शायद यही कारण है कि उस समय स्थिति को इतनी जल्दी और आसानी से स्पष्ट करना भी संभव नहीं था। लेकिन अब आप ऐसा करते हैं, इंस्टाग्राम या सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट डालकर अपने दर्शकों से सीधा संपर्क कर सकते हैं और अपनी स्थिति को साफ कर सकते हैं। रवीना ने खुलासा किया कि उस दौर में जो एक्टर्स एडिटर्स से अच्छे संबंध रखते थे या उनकी नजरों में अच्छे होते थे, उनके लिए तो सारी चीजें अच्छी रहती थीं। अगर कोई व्यक्ति एक प्राइवेट पर्सन होता था, तो उसे तो चैन से जीने तक की इजाजत नहीं थी। उस समय सुर्खियां लोगों के दिमाग में बसी रहती थीं और अगर कोई अभिनेता माफी भी मांग लेता था, तो भी कोई फर्क नहीं पड़ता था। बस अगली खबर और एक छोटी सी माफी का इंतजार करना पड़ता था, जिसका कोई मतलब नहीं होता था। तो बस उस खबर से ही नुकसान हो चुका होता था। वह लोगों के दिमाग में बैठ जाती थी, जिसे ठीक करना नामुमकिन था।

31 जुलाई को दस्तक देने को तैयार मिलाप जावेरी की फिल्म तेरा यार हूं मैं

पिछले साल 'एक दीवाने की दीवानियत' जैसी रोमांटिक फिल्म देने वाले निर्देशक मिलाप जावेरी अब एक और रोमांटिक फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म से निर्देशक इंद्र कुमार के बेटे अमन इंद्र कुमार बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। फरवरी में जारी हुए फिल्म के फर्स्ट लुक के बाद अब फिल्म की नई रिलीज डेट सामने आ गई है।

मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। फिल्म का एक पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने ये कंफर्म किया कि 'तेरा यार हूं मैं' 31 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

इसके साथ ही कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'प्यार, दोस्ती, इमोशन और संगीत के लिए तैयार हो जाइए। तेरा यार हूं मैं 31 जुलाई को सिनेमाघरों में आ रही है।' इसके साथ ही मेकर्स ने कंफर्म किया कि फिल्म से इंद्र कुमार के बेटे अमन कुमार अपनी शुरुआत कर रहे हैं। उनके साथ आकांक्षा शर्मा इस प्यार, ड्रामा, कॉमेडी और एक्शन से भरपूर म्युजिकल लव स्टोरी में नजर आएंगी।

इससे पहले मेकर्स ने फरवरी में फिल्म की घोषणा करते हुए इसका फर्स्ट लुक जारी किया था। तब मेकर्स फिल्म को 22 मई को रिलीज करने वाले थे। लेकिन अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट बदल दी है। फिल्म का जो पोस्टर जारी किया गया है, उसमें फिल्म के लीड कलाकार अमन इंद्र कुमार और आकांक्षा शर्मा नजर आ रहे हैं। व्हाइट बैकग्राउंड में दोनों के चेहरों का क्लोज अप शॉट है, जिसमें दोनों एक-दूसरे में खोए नजर आ रहे हैं। अभी तक फिल्म की कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

निर्देशित फिल्म 'मस्ती' फ्रेंचाइजी की 'मस्ती 4' है, जो पिछले साल रिलीज हुई थी। पिछले साल ही उनकी रोमांटिक फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' भी रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने काफी चर्चाएं बटोरी थीं। वहीं क्रिटिक्स और दर्शकों की भी इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई थी। अब वो 'तेरा यार हूं मैं' के साथ एक नई लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं।

मैंने ठुकरा दिया था सलमान खान की फिल्म बाडीगार्ड का ऑफर : डेजी

डेजी शाह ने सलमान खान के साथ फिल्म 'जय हो' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रियाएं ही हासिल हुई थीं। लेकिन सलमान के साथ डेब्यू करने से पहले डेजी शाह ने सलमान खान की एक फिल्म का ऑफर ठुकरा भी दिया था। इसका खुलासा अब खुद डेजी शाह ने किया है।

बॉलीवुड बबल से बात करते हुए डेजी शाह ने बताया कि 'जय हो' में सलमान खान के साथ काम करने से पहले, उन्होंने सलमान की फिल्म 'बॉडीगार्ड' का ऑफर ठुकरा दिया था। अब उन्होंने 'बॉडीगार्ड' के ऑफर को ठुकराने के बाद सलमान की प्रतिक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मेरे ऐसा करने के बाद कमरे में करीब पांच से सात मिनट तक सन्नाटा छाया रहा।

पांच से सात मिनट बहुत लंबा समय होता है। उस समय तो यह बहुत लंबा लगा ही था। ऐसी स्थिति में तो अब भी बहुत लंबा लगता है। मैं अंदर ही अंदर बोल रही थी 'कुछ बोलिए, कुछ बोलिए।' और उनके मुंह से बस एक ही शब्द निकला। उन्होंने कहा, 'ठीक है'।

बातचीत के दौरान जब डेजी से पूछा गया कि क्या उनके मना करने के बाद सलमान खान नाराज थे? इस पर डेजी ने कहा कि हो सकता है कि वह बस स्थिति को समझने की कोशिश कर रहे हों। वह भी तो इंसान हैं ना। वह भी अपनी चीजों को समझने की कोशिश कर रहे होंगे। वह बिल्कुल वैसे ही हैं। मुझे लगता है कि वह सबसे ज्यादा देखभाल करने वाले लोगों में से एक हैं, चाहे वह सेट पर हों, पर्सनल लाइफ में हों या किसी भी स्थिति में। अगर आप उनके संपर्क में हैं, तो वह हर हाल में आपका ख्याल रखेंगे।

हालांकि, उन्होंने बताया कि ऐसा करने से माहौल थोड़ा स्ट्रेस वाला हो गया था। उन्हें सलमान से बात करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। एक्ट्रेस ने स्वीकारा कि सलमान खान से बात करने से पहले उन्होंने कई दिनों तक खुद को मानसिक रूप से तैयार किया था। डेजी ने बताया कि मुझे एक हफ्ते तक आईने के सामने खड़े होकर खुद को तैयार करना पड़ा। मुझे उनसे जो कहना था, उसे कहने के लिए मुझे अपनी सारी हिम्मत जुटानी पड़ी।

अजब-गजब | ये है दुनिया की अजीबो-गरीब महिला

साल में सिर्फ एक बार अपना बाल धोती है ये महिला

आजकल बालों की देखभाल को लेकर लोग बहुत जागरूक हो गए हैं। महंगे शैंपू, कंडीशनर, हेयर मास्क और सैलून ट्रीटमेंट का चलन है, लेकिन एक महिला की कहानी इन सबको ठेंगा दिखा रही है। इस महिला ने पूरे 10 साल में अपने बाल सिर्फ 10 बार धोए हैं। यानी साल में सिर्फ एक बार शैंपू किया है। इसका नतीजा बाल इतने डैमेज हो गए कि उन्हें देखकर हेयर एक्सपर्ट्स भी हैरान रह गए।

सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। एक टीवी शो में महिला ने अपने बालों की स्थिति दिखाई तो स्टूडियो में मौजूद हेयरस्टाइलिस्ट्स का मुंह खुला का खुला रह गया। महिला (जिसका नाम जोडी बताया जा रहा है) लंबे समय से ड्रेडलॉक्स बनाए हुए थी। उसकी आदत थी कि वह साल में सिर्फ एक बार बाल धोती थी। वह कहती है कि उसके बाल जल्दी सूखते नहीं थे, इसलिए वह शैंपू करने से बचती थी। कभी-कभी सिर्फ गीले कपड़े या वेट वाइप्स से साफ कर लेती थी। 10 साल की लंबी अवधि में बालों में गंदगी, डेड स्किन, ऑयल बिल्डअप और बैक्टीरिया जमा हो गए। बाल झड़ने लगे, ब्रेकज होने लगा और ड्रेड्स पूरी तरह से लॉक होकर सख्त हो गए। जब महिला ने आखिरकार मदद मांगी तो हेयर स्पेशलिस्ट्स ने देखा कि स्थिति बेहद गंभीर है।

टीवी शो के दौरान जब हेयरस्टाइलिस्ट्स ने महिला के बालों को खोलकर देखा तो वे हैरान रह गए। बालों में जमा गंदगी की परत इतनी मोटी थी कि साधारण शैंपू से कुछ नहीं हो पा रहा था। विशेष ट्रीटमेंट, डिटॉक्स और कई घंटों की मेहनत के बाद बालों की कुछ हद तक सफाई हुई। लेकिन डैमेज इतना था कि बालों को पूरी तरह ठीक करने में कई सेशन्स लगेंगे। एक स्टाइलिस्ट ने कहा, मैंने अपने करियर में ऐसा केस पहली बार देखा है। 10 साल तक सिर्फ एक बार धोनाज यह बालों के लिए बहुत नुकसानदायक है।

विशेषज्ञों के अनुसार बालों को नियमित रूप से धोना जरूरी है। इससे स्कैल्प साफ रहता है, बैक्टीरिया और फंगस नहीं बढ़ते और बालों को पोषण मिलता है। बहुत कम धोने से स्कैल्प इंफेक्शन, बाल झड़ना, ब्रेकेज और डैंड्रफ जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि कुछ हेयर टाइप (जैसे बहुत मोटे और कर्ली बाल) वाले लोग हफ्ते में एक बार या उससे कम धोते हैं, लेकिन 10 साल में सिर्फ 10 बार धोना अत्यधिक दुर्लभ और खतरनाक है। वीडियो वायरल होने के बाद लोग हैरानी और मजाक दोनों कर रहे हैं। कुछ यूजर्स लिख रहे हैं। साल में एक बार भी धोती है, मैं तो तीन दिन में धोती हूं फिर भी डैंड्रफ हो जाता है। कुछ कह रहे हैं, यह तो बालों के साथ जुल्म है। कई महिलाएं अपनी हेयर केयर रूटीन शेयर कर रही हैं।

ये है दुनिया का सबसे खतरनाक नशा एक बार चख लिया तो बचना मुश्किल!

दुनिया में कई तरह के नशीले पदार्थ मौजूद हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में एक ड्रग ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। इस खतरनाक नशे का नाम है स्न्द्गठ्ठह्लड्ढठ्ठ4द्य। इसे दुनिया के सबसे घातक ड्रग्स में गिना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसकी थोड़ी सी मात्रा भी इंसान की जान लेने के लिए काफी हो सकती है। यही वजह है कि कई देशों में इसे साइलेंट किलर कहा जाने लगा है।

फेंटेनिल एक सिंथेटिक ओपिओइड ड्रग है, जिसे मूल रूप से गंभीर दर्द से राहत देने के लिए मेडिकल इस्तेमाल में बनाया गया था। डॉक्टर इसे खास परिस्थितियों में कैंसर या बड़ी सर्जरी के मरीजों को देते हैं। लेकिन अवैध रूप से इसका गलत इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। बताया जाता है कि यह मॉर्फिन से लगभग 50 गुना और हेरोइन से कई गुना ज्यादा शक्तिशाली होता है। इसकी यही ताकत इसे बेहद खतरनाक बनाती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि कई लोग अनजाने में भी इस ड्रग का शिकार हो जाते हैं। ड्रग तस्कर अक्सर इसे दूसरे नशीले पदार्थों में मिलाकर बेचते हैं, जिससे लेने वाले को इसकी सही मात्रा का अंदाजा नहीं लग पाता। कई मामलों में सिर्फ एक छोटी सी डोज लेने के बाद व्यक्ति की सांसें रुक जाती हैं और मौत हो जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि फेंटेनिल का असर बहुत तेजी से होता है। इसे लेने के बाद शरीर सुन्न पड़ने लगता है, सांस लेने में दिक्कत होती है और इंसान बेहोशी की हालत में पहुंच सकता है। लगातार इस्तेमाल से इसकी लत इतनी खतरनाक हो जाती है कि व्यक्ति चाहकर भी इससे बाहर नहीं निकल पाता। यही कारण है कि दुनियाभर में इसके कारण हजारों मौतें दर्ज की जा चुकी हैं। अमेरिका समेत कई देशों में यह एक बड़ा पब्लिक हेल्थ संकट बन चुका है। सरकारें और स्वास्थ्य एजेंसियां लोगों को इसके खतरे के बारे में लगातार जागरूक कर रही हैं। सोशल मीडिया और इंटरनेट पर भी युवाओं को नशे से दूर रहने की सलाह दी जा रही है। डॉक्टरों का मानना है कि किसी भी तरह का नशा जिंदगी को बर्बाद कर सकता है, लेकिन फेंटेनिल जैसे ड्रग्स का खतरा कई गुना ज्यादा है। इसलिए जरूरी है कि लोग जागरूक रहें, संदिग्ध पदार्थों से दूर रहें और नशे को कूल समझने की गलती कभी न करें। जिंदगी अनमोल है और एक गलत कदम सबकुछ खत्म कर सकता है।

मौजूदा सरकार के रहते महंगाई बढ़ती रहेगी

राहुल गांधी ने एनडीए सरकार पर किया प्रहार

» नेता प्रतिपक्ष बोले- अपील करके खुद विदेश निकल गए पीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की और चेतावनी दी कि देश एक बड़े आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार पर आम नागरिकों की चिंताओं को नजरअंदाज करने का आरोप भी लगाया। बछरावां में एक वेडिंग हॉल का उद्घाटन करने के बाद रायबरेली में एक सभा को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि एक आर्थिक तूफान आ रहा है और दावा किया कि केंद्र सरकार देश को इसके प्रभाव के लिए तैयार करने में विफल रही है।

पश्चिम एशिया में तनाव का जिक्र करते हुए गांधी ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित कर दिया है, क्योंकि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण कड़ा कर दिया है, जिससे होकर दुनिया के तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। राहुल गांधी ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब तक मौजूदा सरकार नहीं बदलती, महंगाई बढ़ती रहेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह कभी नॉर्वे का दौरा करते हैं, कभी जापान का, जबकि लोगों से विदेश यात्राओं से बचने का आग्रह करते हैं। उन्होंने कहा कि जब तक मौजूदा सरकार नहीं बदलती, महंगाई बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि मोदी देश से सोना न खरीदने, इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल करने और विदेश यात्रा से बचने का आग्रह करते हैं, लेकिन इसके तुरंत बाद ही वह विदेश यात्रा पर निकल जाते हैं। उन्होंने कहा कि दुख की बात यह है कि एक भयंकर आर्थिक तूफान आ रहा है, जिसे कोई नहीं रोक सकता, ऐसा तूफान हमने अपने जीवन में कभी नहीं देखा। दर्शकों से सवाल करते हुए उन्होंने पूछा कि नुकसान किसका होगा? और उन्होंने जवाब दिया, न तो अंबानी का होगा और न ही अडानी का। वे अपने महलों में बैठे रहेंगे, जिनकी चारों तरफ से सुरक्षा है। नुकसान भारत के किसानों, मजदूरों, युवाओं, छोटे व्यापारियों और रोजगार पैदा करने वाले छोटे उद्योगों का होगा।

विपक्ष के नेता ने एक बार फिर दोहराया कि एक ऐसा तूफान आ रहा है, जिसका सामना भारत ने पहले कभी नहीं किया। उन्होंने कहा कि हम दिन-ब-दिन मोदी से आग्रह करते आ रहे हैं - मजदूरों और छोटे व्यापारियों की रक्षा करना शुरू कीजिए। अगर आप ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो देश को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। फिर भी, वह क्या करते हैं? वह नॉर्वे चले जाते हैं। और नॉर्वे में वह कहते हैं, भाई अडनी की मदद करो, अंबानी की मदद करो। यह हो रहा है। जनता को जागरूक होना चाहिए।

खुद को विश्वगुरु बताकर झूठा गर्व जताते हैं मोदी

जनता की लूट, कुछ को छूट: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ईंधन की कीमतों में हुई हालिया वृद्धि को लेकर हमला बोला और सरकार पर नागरिकों पर बोझ डालने और कथित तौर पर व्यापारिक हितों की रक्षा करने का आरोप लगाया। उनकी यह टिप्पणी मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 90 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि के बाद आई है। सरकारी तेल कंपनियों द्वारा लगभग चार साल के अंतराल के बाद कीमतों में संशोधन समाप्त करने के बाद एक सप्ताह से भी कम समय में यह दूसरी वृद्धि है। एक्स से बात करते हुए खरगे ने कहा कि कीमतों में वृद्धि के महज चार दिन बाद, मोदी सरकार ने एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि आम जनता को लूटना और अडानी को अमेरिका में खुली छूट देना - यही मोदीजी का समझौतावादी मॉडल है। खरगे की टिप्पणी न्यूयॉर्क में प्रतिभूति और वायर धोखाधड़ी मामले में गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी के खिलाफ आपराधिक आरोपों को स्थायी रूप से हटाने के अमेरिकी न्याय विभाग के फैसले के संदर्भ में थी। भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने के मामले में सरकार पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा कि मोदी जी, जो खुद को विश्वगुरु बताकर झूठा गर्व जताते हैं, उन्होंने रूस से तेल खरीदने की अनुमति के लिए अमेरिका से एक महीने का विस्तार देने की भीख मांगी है। जब भी वे ऐसा करते हैं, वे 1.4 अरब भारतीयों के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाते हैं। किसी भी पिछली सरकार ने कभी इस स्तर तक नहीं गिरा। ईंधन की कीमतों में वृद्धि पर सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा कि अब सवाल यह है कि अगर सरकार के अनुसार हमें ऐसा करने की अनुमति मिल चुकी है, तो पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों का बोझ आम जनता पर क्यों डाला जा रहा है? खरगे ने आगे आरोप लगाया कि मैं एक बार फिर दोहराता हूं, भाजपा में दूरदर्शिता और नेतृत्व की कमी है।

कार्यकर्ता धमकी से छोड़ रहे हैं चुनाव : टीएमसी

» फाल्टा विस क्षेत्र में आगामी पुर्नचुनाव से जहांगीर खान का नाम वापस लेने पर भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। टीएमसी ने स्पष्ट किया कि फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में आगामी पुर्नचुनाव से जहांगीर खान का नाम वापस लेने का निर्णय उनकी व्यक्तिगत क्षमता से लिया गया था और यह पार्टी के आधिकारिक रुख को नहीं दर्शाता है। पार्टी ने एक कड़े बयान में आरोप लगाया कि 4 मई को चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से फाल्टा में उसके कार्यकर्ताओं और समर्थकों को लगातार राजनीतिक धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। टीएमसी के अनुसार, पिछले कुछ हफ्तों में निर्वाचन क्षेत्र में 100 से अधिक पार्टी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। पार्टी ने भाजपा पर क्षेत्र में अपने संगठनात्मक नेटवर्क पर हमले करवाने का भी आरोप लगाया। पार्टी का दावा है कि कई टीएमसी कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई, उन पर जबरन कब्जा किया गया या उन्हें बंद कर दिया गया।

बार-बार शिकायतें मिलने के बावजूद, चुनाव आयोग ने कथित तौर पर कोई हस्तक्षेप नहीं किया, जिसके चलते पार्टी ने चुनाव आयोग पर स्थिति के प्रति उदासीनता का आरोप लगाया। बयान में कहा गया कि अत्यधिक दबाव के बावजूद, हमारे कार्यकर्ता दृढ़ रहे हैं और एजेंसियों और प्रशासन के माध्यम से भाजपा की धमकियों का लगातार विरोध कर रहे हैं। हालांकि, पार्टी ने स्वीकार किया कि कुछ व्यक्तियों ने अंततः दबाव के आगे झुककर चुनावी मैदान से किनारा कर लिया। खान के नाम वापस लेने की निंदा करते हुए, टीएमसी ने दोहराया कि बंगाल और राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली में, जिसे वह बांग्ला बिरोधी भाजपा कहती है, उसके खिलाफ उसकी राजनीतिक लड़ाई लगातार जारी रहेगी।

उमर खालिद को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

» जमानत याचिका लोअर कोर्ट से खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने उमर खालिद को 2020 के उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों की साजिश में शामिल होने के आरोप में दायर यूएपीए मामले में अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया। कड़कड़ूमा अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने खालिद की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उसने अपने चाचा के निधन के बाद होने वाले चेहलम अनुष्ठान में शामिल होने और 2 जून को होने वाली अपनी मां की सर्जरी से पहले और बाद की चिकित्सा जांच के लिए 15 दिनों की अंतरिम जमानत मांगी थी।

अदालत ने आज कहा कि सिर्फ इसलिए कि उमर खालिद और अन्य आरोपियों को पहले अंतरिम जमानत दी जा चुकी है और उन्होंने कभी भी शर्तों का उल्लंघन नहीं किया

है, इसका मतलब यह नहीं है कि हर बार जब भी आरोपी जमानत मांगे, उसे जमानत दे दी जाए। खालिद के खिलाफ दर्ज एफआईआर संख्या 59/2020 में उआधिकारिक प्रशासन की धारा 13, 16, 17, 18, शस्त्र अधिनियम की धारा 25 और 27, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से रोकने वाले अधिनियम, 1984 की धारा 3 और 4 और भारतीय दंड संहिता, 1860 के तहत अन्य अपराधों सहित गंभीर आरोप शामिल हैं। एफआईआर संख्या 59/2020 में जिन अन्य लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किए गए हैं। इसके बाद उमर खालिद और शरजील इमाम के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दाखिल किया गया।

अगर जमानत मांगनी थी तो मृत्यु के समय ही मांगते

न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि अपने चाचा के चेहलम समारोह में शामिल होना इतना जरूरी नहीं है और अगर रिश्ता इतना करीबी और घनिष्ठ था, तो उन्हें मृत्यु के समय ही जमानत मांगनी चाहिए थी, न कि इतने लंबे समय बाद। मां की सर्जरी के संबंध में, अदालत ने कहा कि खालिद की अन्य बहनें हैं जो मां की देखभाल कर सकती हैं और पिता भी उनकी देखभाल कर सकते हैं। दिल्ली पुलिस ने अंतरिम जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि मामले की संवेदनशीलता और व्यापक परिणामों को देखते हुए खालिद की रिहाई से सार्वजनिक व्यवस्था और प्रशासन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। यह तर्क दिया गया कि अंतरिम जमानत याचिका पूरी तरह से निराधार, योग्यताहीन और प्रारंभिक चरण में ही खारिज किए जाने योग्य है क्योंकि खालिद को अंतरिम जमानत देने के लिए कोई असाधारण, अत्यावश्यक या बाध्यकारी परिस्थिति मौजूद नहीं है।

कश्मीर में विच हंट बंद हो : महबूबा मुफ्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन से अपील की कि पूर्व जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शेख गुलाम हसन के जनाजे में भावनाएं व्यक्त करने वाले लोगों के खिलाफ चल रही कार्रवाई को रोका जाए। मुफ्ती ने कहा कि लोग शेख गुलाम हसन के निधन पर दुख और भावनाओं में बहकर अपनी बात कह रहे थे।

उन्होंने कहा कि भले ही कुछ बातें सभी को पसंद न आई हों, लेकिन इसे देश-विरोधी नहीं कहा जा सकता। महबूबा ने टारिगाम (कुलगाम) में शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर संवेदना भी व्यक्त की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि केवल भावनाएं व्यक्त करने पर लोगों पर एफआईआर दर्ज करना गलत है और इसे विच हंट यानी बेवजह की कार्वाई बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से इस कार्रवाई को रोकने की अपील की।

अफगान के खिलाफ भारत की टेस्ट व वनडे टीम का ऐलान

» पंत की जगह राहुल बने टेस्ट टीम के उपकप्तान, प्रिंस को वनडे टीम में मिला मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने अफगानिस्तान के खिलाफ अगले महीने होने वाले एकमात्र टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया है। भारतीय टीम इस मैच में शुभमन गिल की अगुआई में खेलने उतरेगी। वहीं, ऋषभ पंत से छह महीने के अंदर टेस्ट की उपकप्तानी छीन ली गई है। टेस्ट में उपकप्तानी केएल राहुल को सौंपी गई है। इसके अलावा गुरनूर बराड़ और मानव सुथार टेस्ट टीम में नए चेहरे हैं। इसके अलावा बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है। ऑलराउंडर हर्ष दुबे को भी टेस्ट टीम में पहली बार जगह दी गई है।

गुरनूर और हर्ष दोनों ही प्रारूपों में टीम इंडिया में शामिल हैं। वहीं वनडे सीरीज में रोहित शर्मा और विराट कोहली भी खेलेंगे। प्रिंस यादव और गुरनूर बराड़ को पहली बार भारतीय वनडे टीम में जगह मिली है। वहीं, हार्दिक पांड्या की वनडे टीम में वापसी हुई है। हालांकि, हार्दिक और रोहित शर्मा सीरीज में खेलेंगे या नहीं यह उनके फिटनेस पर निर्भर करता है। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि रोहित और हार्दिक दोनों वनडे टीम में हैं, लेकिन इनका खेलना फिटनेस मंजूरी पर निर्भर करेगा। दिलचस्प बात यह है कि भारत के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को वनडे टीम में जगह नहीं मिली है। टीम गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी और श्रेयस अय्यर उपकप्तान बनाए गए हैं। वहीं, वनडे में केएल राहुल के साथ ही ईशान किशन विकेटकीपर के तौर पर शामिल हैं। ईशान टी20 के बाद भारतीय वनडे टीम में भी वापसी करने में सफल रहे हैं। हालांकि, शानदार फॉर्म में चल रहे संजू सैमसन को मौका नहीं दिया गया है।

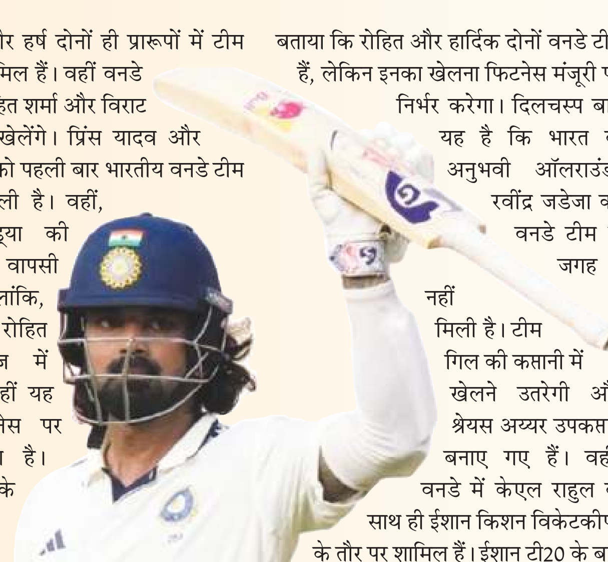

राजस्थान अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंची

जयपुर। वैभव सूर्यवंशी और ध्रूव जुरेल की अर्धशतकीय पारी के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को सात विकेट से हराया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 220 रन बनाए। जवाब में वैभव ने धुआंधार बल्लेबाजी की और उनके आउट होने के बाद जुरेल ने दम दिखाया जिससे राजस्थान ने 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 225 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। राजस्थान ने इस तरह प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा है। राजस्थान की जीत से पंजाब किंग्स की टीम अंक तालिका में पांचवें नंबर पर खिसक गई है। तीन टीमें प्लेऑफ में जगह बना चुकी हैं और अब एक स्थान के लिए राजस्थान, पंजाब, चेन्नई, कोलकाता और दिल्ली में जंग है। राजस्थान की जीत से एक बार फिर समीकरण दिलचस्प हो गया है। राजस्थान 14 अंक लेकर चौथे नंबर पर आ गई है, जबकि पंजाब 13 अंक लेकर पांचवें नंबर पर पहुंच गई है।

टिकट के साथ धोखा भी बेच रही है एयर इंडिया!

फ्रंट सीट के नाम पर वसूले एक्स्ट्रा पैसे लेकिन दी पीछे वाली सीट, न खाता न बही जो एयर इंडिया कहे वही सही

» शिकायत के बाद गलती मानी, माफी भी मांगी लेकिन फिर जिम्मेदारी से भागी एयर इंडिया?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एयर इंडिया नाम सुनते ही कभी महाराजा वाली शाही सेवा का सा फील आता था। लेकिन एक बार आप यात्रा करके देखिये तो असलियत सामने होगी। सुविधाओं का ढिंढोरा पीटने वाली एयर इंडिया अब यात्रियों की जेब काटने वाली एक ऐसी मशीन बन चुकी है जहां सुविधा सिर्फ टिकट पर लिखी जाती है जमीन पर नहीं दिखाई देती।

एयर इंडिया की शिका-यतों का पिटारा तेजी से भर रहा है। रोज नई तरह की नई शिकायत सामने आ रही है। इस बार एक ऐसी शिकायत सामने आई है जो आना ही नहीं चाहिए थी। हुआ यह कि एक भारतीय ट्रेवलर 21 अप्रैल 25 को दुबई से दिल्ली और दिल्ली से लखनऊ आये। अपनी यात्री को आरामदायक सफर बनाने के लिए उन्होंने एयर इंडिया की फ्लाइट में आगे की सीट सीट नंबर 6एफ को चुना और इसके लिए अतिरिक्त पैसे भी एयर इंडिया को दिए गए।

सबसे बड़ा सवाल क्यों?

क्या विमान में कोई तकनीकी आपात स्थिति थी? क्या सुरक्षा का मामला था? क्या कोई वीआईपी यात्री आया था? या फिर एयरलाइंस के लिए अब यह सब रूटीन मैनेजमेंट बन चुका है? यात्री का आरोप है कि कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया। सहमति नहीं ली गई। और शिकायत करने पर जवाबदेही की जगह बेरुखी मिली। यहीं से यह मामला सिर्फ सीट विवाद नहीं रह गया बल्कि यह उपभोक्ता अधिकारों पर हमला बन गया। देश की एयरलाइंस आजकल हर चीज बेच रही हैं सीट का पैसा अलग, लेगरूम का पैसा अलग, खिड़की के पास बैठने का पैसा अलग। यानि आसमान में उड़ान कम उगाही ज्यादा दिखाई देने लगी है। लेकिन जब ग्राहक पैसे देकर सुविधा खरीदता है और फिर वही सुविधा बिना जवाबदेही के छीन ली जाती है तो सवाल उठना लाजिमी है कि क्या एयरलाइंस अब टिकट नहीं भ्रम बेच रही हैं? और यह कोई अकेली शिकायत नहीं है। सोशल मीडिया ऐसे मामलों से भरा पड़ा है। कहीं परिवार को अलग-अलग सीटों में बांट दिया जाता है। कहीं प्रीमियम सीट हटाकर आखिरी कतार पकड़ा दी जाती है। कहीं शिकायत करने पर स्टाफ ऐसा व्यवहार करता है जैसे एहसान कर रहा हो और हर बड़ा सवाल कही न कही एयर इंडिया से जाकर जुड़ता है।

यानी एयरलाइन ने साफ वादा किया कि पैसे दो सुविधा लो। लेकिन बोर्डिंग के समय अचानक खेल बदल गया। यात्री को पहले सीट 29एफ दी गयी और फिर बिना बताए उसे सीधे विमान के पिछले हिस्से की सीट 33 आवंटित कर दी गयी। यानी जिस सुविधा के लिए पैसा लिया गया था उसे एयर इंडिया ने ऐसे खींच लिया जैसे ग्राहक का कोई अधिकार ही न हो।

एयर इंडिया की उड़ान या यात्रियों के भरोसे का अपहरण

भारत का एविएशन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। एयरलाइंस खुद को वर्ल्ड क्लास और कस्टमर फ्रेंडली बताने में कोई कसर नहीं छोड़ रहीं। लेकिन जमीन पर यात्रियों का अनुभव अक्सर इन दावों का उल्टा दिखाई देता है।ताजा मामला एयर इंडिया का है जहां यात्री ने आरोप लगाया है कि उससे पसंदीदा सीट के नाम पर अतिरिक्त पैसे तो ले लिए गए लेकिन बोर्डिंग के समय उसकी सीट बिना सहमति और बिना उचित कारण बदल दी गई। घटना 21 अप्रैल 25 की है। एयरलाइंस के आफर के बाद यात्रा के दौरान यात्री ने विमान के अगले हिस्से में स्थित सीट 6एफ चुना था इसके लिए अतिरिक्त फीस दी गयी और कुल टिकट का एमाउंट 13,659 रुपये था। लेकिन बोर्डिंग के समय एयर इंडिया ने पहले उसकी सीट एफ की और बाद में पीछे की सीट 33 पर भेज दिया। अब सवाल यह नहीं कि सीट बदली या नहीं। सवाल यह है कि एयरलाइंस आखिर ग्राहक को समझती क्या हैं?

लीगल नोटिस के बाद एयर इंडिया ने गलती मानी लेकिन जिम्मेदारी से भागी

यात्री ने एयर इंडिया को लीगल नोटिस भेजा तो वह फौरन बैक गियर में आ गयी और गलती स्वीकार कर ली। यात्री के मुताबिक एयर इंडिया ने जवाब में खेद जताया और गलती स्वीकार की और रिफंड देने की बात भी कही गई। लेकिन इन सबके बीच फिर एक नया खेल शुरू हो गया। एयर इंडिया ने यात्री से कहा कि वह रिफंड के लिए ट्रैवल एजेंसी से संपर्क करे। एयर इंडिया के इस जवाब के बाद से यहीं सबसे बड़ा सवाल उठता है कि जब सीट एयरलाइन ने बदली गलती एयरलाइन ने की तो जिम्मेदारी ट्रैवल एजेंसी पर कैसे डाल दी गई? क्या यह ग्राहक को थकाकर मामला खत्म कराने की रणनीति है?

क्या कहता है उपभोक्ता कानून

उपभोक्ता अधिकार विशेषज्ञ साफ कहते हैं कि उपभोक्ता कानूनों के मुताबिक अगर किसी सेवा के लिए अतिरिक्त शुल्क लिया गया और वह सेवा उपलब्ध नहीं कराई गई, तो यह सेवा में कमी मान जाएगी। साथ ही इसे अनुचित व्यापार व्यवहार भी माना जा सकता है। कानून यह भी कहता है कि ग्राहक को भ्रमित नहीं किया जा सकता। भुगतान के बाद सुविधा छीनना गलत है। मानसिक उत्पीड़न भी कानूनी मुद्दा बन सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार यात्री उपभोक्ता आयोग में जाकर सीट शुल्क रिफंड, मानसिक क्षति का मुआवजा और कानूनी खर्च, के साथ दंडात्मक कार्रवाई की मांग कर सकता है।

ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना को लेकर फिर घमासान

» कांग्रेस ने एनडीए सरकार को घेरा, पर्यावरण को अनदेखी कर रही केंद्र सरकार

» विपक्ष बोला- चीन के सामने खुद समर्पण कर रहे पीएम मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस का भाजपा व मोदी सरकार पर तीखा हमला जारी है। पार्टी ने एकबार फिर केंद्र सरकार पर ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना को लेकर उस पर करारा वार किया है। वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बुधवार को केंद्र सरकार पर ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना के आलोचकों को चीन के प्रति नरम बताने के लिए प्रचार अभियान चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार स्वयं चीन के सामने निरंतर, सुनियोजित आत्मसमर्पण की नीति अपना रही है। एक्स पर साझा किए गए एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि सरकार इस परियोजना से जुड़े पर्यावरणीय और मानवीय मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

गलवान संघर्ष का जिक्र करते हुए रमेश ने कहा कि 19 जून, 2020 को प्रधानमंत्री ने चीन को एक अस्पष्ट क्लीन चिट दे दी, जो लद्दाख में शहीद हुए 20 जवानों का घोर अपमान था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने चीन के साथ बातचीत के दौरान लद्दाख के कई क्षेत्रों में पारंपरिक गश्त और पशुपालन के अधिकार छोड़ दिए और दोनों देशों के बीच व्यापार असंतुलन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह मोदी सरकार ही है जिसने चीन के साथ बातचीत में लद्दाख के कई स्थानों पर पारंपरिक गश्त और पशुपालन के अधिकार छोड़ दिए हैं। प्रधानमंत्री की देखरेख में ही भारत का चीन के साथ 2025-26 में लगभग 115 अरब अमेरिकी डॉलर का रिकॉर्ड व्यापार घाटा हुआ, जिससे भारतीय उद्योग, विशेषकर लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को भारी नुकसान हुआ।

विपक्ष को प्रचार से कर रहे बदनाम : जयराम

उन्होंने लिखा कि मोदी सरकार ने अब अपने ही माध्यम से एक प्रचार अभियान शुरू किया है, जिसमें ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान को लेकर चिंतित सभी लोगों को चीन के प्रति नरम बताया जा रहा है। यह पाखंड की पराकाष्ठा है, खासकर ऐसी सरकार की ओर से जो खुद चीन के सामने निरंतर, सुनियोजित आत्मसमर्पण की नीति का पालन करती है। कांग्रेस नेता ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने चीन के साथ संबंधों में कई मोर्चों पर भारत की स्थिति से समझौता किया है।

ऑपरेशन सिंदूर में भी सरकार ने सैन्य अधिकारियों को किया नजरअंदाज

रमेश ने आगे दावा किया कि केंद्र सरकार मई 25 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को चीन की कथित भूमिका के बारे में वरिष्ठ सेना अधिकारियों द्वारा लगाए गए आरोपों पर ध्यान देने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने मई 25 में ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान की योजना बनाने, निगरानी करने और उसे अंजाम देने में चीन की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में वरिष्ठ सेना अधिकारियों के खुलासों पर कोई कार्रवाई नहीं की है।

केंद्र व राज्यों को सुप्रीम नोटिस, मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टेट्रा पैक में शराब की बिक्री के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया। कम्युनिटी अगेंस्ट ड्रंकन ड्राइविंग नाम की संस्था की याचिका में कहा गया था कि शराब की बोटलिंग से जुड़े नियमों में अस्पष्टता के चलते ऐसा हो रहा है। टेट्रा पैक में स्वास्थ्य चेतावनी नहीं छापी जा रही। पैकेट पर फलों की तस्वीर लगाकर उसे जूस की तरह दिखाया जा रहा है।

याचिकाकर्ता ने इस तरह से बेची जा रही शराब पर बैन लगाने का अनुरोध किया है। कुछ दिन पहले ऐसी ही एक और जनहित याचिका दाखिल की गई थी, जिसमें उत्तर प्रदेश में टेट्रा पैक में बेची जा रही देसी शराब पर रोक लगाने की मांग की गई थी। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। इसमें उत्तर प्रदेश के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत यूपी की नई एक्साइज पॉलिसी के तहत टेट्रा पैक में देसी शराब की बिक्री को अनिवार्य कर दिया गया है।

सतीशन सरकार का बड़ा फैसला

» सिल्वरलाइन रेल कॉरिडोर परियोजना किया रद्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम्। केरल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य मंत्रिमंडल ने विवादास्पद तिरुवनंतपुरम-कासरगोड सिल्वरलाइन रेल कॉरिडोर परियोजना को रद्द करने का निर्णय लिया है, जिसे पिछली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार ने शुरू किया था। एक महत्वाकांक्षी अवसंरचना परियोजना के रूप में प्रचारित इस परियोजना को जनता के व्यापक विरोध का सामना करना पड़ा था।

कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए वीडी सतीशन ने कहा कि सरकार ने राजस्व विभाग को भूमि सीमांकन के लिए लगाए गए सभी सर्वेक्षण पत्थरों को हटाने का निर्देश दिया है और परियोजना के लिए शुरू की गई सभी भूमि अधिग्रहण कार्यवाही रद्द कर दी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि मामलों की प्रकृति की समीक्षा करने के बाद सरकार ने राज्य भर में परियोजना के विरोध प्रदर्शनों से संबंधित मामलों को वापस लेने के लिए अदालतों में हलफनामे दाखिल करने का निर्णय लिया है। अर्ध-उच्च गति रेल परियोजना के विरोध प्रदर्शनों में कांग्रेस अग्रणी भूमिका निभा रही थी। पिनारयी विजयन सरकार द्वारा 019 में प्रस्तावित 530 किलोमीटर लंबे सेमी-हाई-स्पीड रेलवे कॉरिडोर का उद्देश्य राज्य की दक्षिणी राजधानी तिरुवनंतपुरम को इसके सबसे उत्तरी जिले कासरगोड से जोड़ना था। इस परियोजना को जनता, राजनीतिक विरोध और बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों का सामना करना पड़ा, खासकर भूमि अधिग्रहण और विस्थापन से संबंधित चिंताओं को लेकर। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों से ठीक पहले के वर्ष में इस परियोजना की व्यापक आलोचना के बाद, एलडीएफ सरकार ने चुपचाप इस पर आगे की कार्यवाही रोक दी। यह केंद्र सरकार की मंजूरी भी हासिल करने में विफल रही।

वाहन में घुसी कार, चालक समेत चार युवकों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में बड़ा हादसा हुआ है। गजरौला में हाईवे पर दिल्ली की तरफ जाते समय अज्ञात वाहन में पीछे से वैगनआर कार घुस गई। हादसे में चालक मोहम्मद सलमान (27) समेत चार युवकों की मौत हुई है। जबकि दो युवक घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

सलमान रामपुर के पंखेवालान गेट बमनपुरी का रहने वाला था। तीन मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। रामपुर के पंखेवालान गेट बमनपुरी निवासी तनवीर ने पुलिस को बताया कि उनके भाई मोहम्मद सलमान टैक्सी में वैगनआर कार चलाते थे।

दूसरे प्रदेश के पांच युवक रामपुर में दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन रामपुर में उनकी ट्रेन छूट गई। इस कारण बुधवार सुबह वैगनआर में सवार हो गए। उनको सलमान दिल्ली छोड़ने जा रहे थे। करीब 4 बजे उनकी वैगनआर कार ख्यालीपुर ढाल से लगभग 200 मीटर आगे पहुंची थी। बताया जा रहा है कि यहां पर आगे चल रहे अज्ञात वाहन में कार घुस जाने से कार चालक मोहम्मद सलमान समेत चार युवकों की मौत हो गई। कार में सवार हसनैन व समेतुल इस्लाम घायल हो गए। हादसे की सूचना पाकर यूपी-112 के पुलिस कर्मी पहुंच गए। उन्होंने घायलों को डिडौली कोतवाली क्षेत्र के चौधरपुर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। चारों के शव सीएचसी में लाए गए। यहां से उनको मोर्चरी पर भिजवा दिया। इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि हादसे में चार युवकों की मौत का मामला सामने आया है। तीन की पहचान नहीं होने के कारण उनके शव मोर्चरी पर रखवाए गए है। उनकी पहचान होने पर ही पता चल सकेगा कि क्या करते थे और कहां जा रहे थे।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**